वर्ा-1 , अंक-13 | बेंगलुरु, बुधवार , 02 सितम्बर 2026 | RNI NO:KNHIN/26/A5540 | Contact:news@bhaarataarth.com | पृठ - 4 ,मूल्य - 5 रुपए

दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ खबर

ख़बर नहीं, उसका अर्थ

देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया

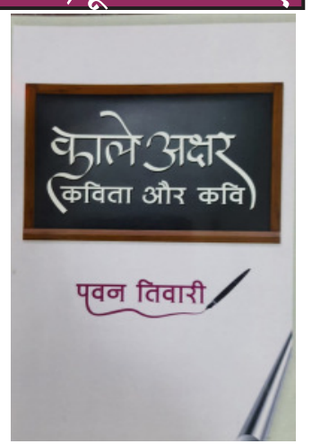

मोदी-पुतिन की अहम वार्ता

भारतार्थ खबर अशोक कुमार सिंह
Bhaarataarth.com

बिश्केक, 1 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बिश्केक में हुई महत्वपूर्ण मुलाकात में भारत-रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न आयामों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा करते हुए भविष्य के सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान ऊर्जा, नवाचार, अंतरिक्ष, उर्वरक तथा दोनों देशों के नागरिकों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों को भारत-रूस संबंधों की भावी दिशा के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। दोनों पक्षों ने आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। ऊर्जा से अंतरिक्ष तक सहयोग पर जोर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और रूस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि द्विपक्षीय साझेदारी लगातार नए आयाम प्राप्त कर रही है। ऊर्जा सहयोग को दोनों देशों के संबंधों का महत्वपूर्ण आधार माना गया। इसके साथ ही उर्वरक आपूर्ति, वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच दोनों देशों ने पारस्परिक हितों से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। जनसंपर्क को भी मिली प्राथमिकता बैठक में दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने को भी द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में आपसी आदान-प्रदान बढ़ने से भारत और रूस के संबंधों को नई ऊर्जा मिलने की संभावना व्यक्त की गई। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप और व्यापक बनाने पर भी विचार किया गया। रूस-यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक हालात पर चर्चा मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित समकालीन वैश्विक परिस्थितियों पर भी चर्चा हुई। भारत का लगातार यह रुख रहा है कि किसी भी संघर्ष का स्थायी समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से तलाशा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी पूर्व में भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और शांति स्थापित करने के लिए सभी पक्षों को संवाद के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। पुतिन के भारत दौरे पर भी नजर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संभावित आगामी भारत दौरे को भी दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद और संपर्क से भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा मिलने की संभावना है।

नेपाल में जलप्रलय, 1,003 मौतें

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

काठमांडू, 1 सितंबर 2026। नेपाल में आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की आपदा ने व्यापक तबाही मचा दी है। नेपाल की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक 1,003 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 3,916 लोग अब भी लापता हैं। प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान जारी है। हिमालयी क्षेत्र में 26 अगस्त को शुरू हुई इस प्राकृतिक आपदा के बाद बर्फ, पानी, चट्टानों और भारी मलबे के तेज बहाव ने निचले इलाकों में भारी विनाश किया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से सड़कें, पुल, मकान और अन्य महत्वपूर्ण ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए।

कई जिलों में तबाही का व्यापक असर

रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहुन, चितवन और आसपास के क्षेत्रों में आपदा का व्यापक प्रभाव देखा गया है। कई स्थानों पर सड़क संपर्क बाधित होने के कारण राहत सामग्री पहुंचाने और बचाव दलों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में नुवाकोट,

रसुवा और जलविद्युत परियोजनाओं के आसपास के इलाके शामिल हैं। कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों और आसपास के क्षेत्रों में लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में कर्मचारी और अन्य लोग अब भी लापता हैं।

11 हजार से अधिक लोगों को बचाया गया

नेपाल में जारी राहत और बचाव अभियान के दौरान अब तक 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सेना, पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के हजारों जवान प्रभावित क्षेत्रों में खोज एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

नेपाल की सेना द्वारा दुर्गम इलाकों में हवाई बचाव अभियान भी चलाया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों तक राहत सामग्री पहुंचाने और गंभीर रूप से घायल लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा रहा है। जलविद्युत परियोजनाओं पर विशेष बचाव अभियान बचाव दलों का विशेष ध्यान जलविद्युत परियोजनाओं के आसपास फंसे और लापता लोगों की तलाश पर केंद्रित है। कई सुरंगों में भारी मात्रा में कीचड़ और मलबा भर जाने के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, बचावकर्मी लगातार दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने और सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश के प्रयास कर रहे हैं।

भारत की GDP ने पकड़ी तेज रफ्तार, 7.8% की छलांग

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 1 सितंबर 2026। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन करते हुए 7.8 प्रतिशत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर दर्ज की है। अप्रैल से जून 2026 की अवधि में दर्ज यह वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 6.9 प्रतिशत की तुलना में अधिक रही और आर्थिक अनुमानों से भी बेहतर मानी जा रही है। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पहली तिमाही में देश की वास्तविक सकल मूल्य वर्धित वृद्धि (GVA) 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई। निवेश और घरेलू मांग ने दी अर्थव्यवस्था को मजबूती पहली तिमाही में निवेश गतिविधियों में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली। सकल स्थायी पूंजी निर्माण (GFCF) में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो अर्थव्यवस्था में निवेश गतिविधियों के मजबूत होने का संकेत है। घरेलू मांग और उपभोग में भी वृद्धि दर्ज की गई, जबकि निर्यात क्षेत्र ने आर्थिक गतिविधियों को अतिरिक्त सहारा दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, सार्वजनिक निवेश के साथ निजी क्षेत्र

की निवेश गतिविधियों में तेजी ने आर्थिक वृद्धि को मजबूती प्रदान की। विनिर्माण क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन देश के विनिर्माण क्षेत्र ने पहली तिमाही की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों ने भी आर्थिक गतिविधियों को गति दी। पिछली तिमाही से कम, लेकिन सालाना आधार पर बेहतर हालांकि, वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में दर्ज संशोधित 8.6 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में मौजूदा तिमाही की 7.8 प्रतिशत वृद्धि कम है, लेकिन सालाना आधार पर अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पिछले वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में वास्तविक GDP वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इस लिहाज से मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूत प्रदर्शन वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, भविष्य में कच्चे तेल की कीमतों, मुद्रास्फीति, रुपये की स्थिति और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का असर आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पर पड़ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जताया विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत GDP वृद्धि को देश की अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक बताया। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक आंकड़े देश में बढ़ते आर्थिक विश्वास को दर्शाते हैं।

आतंकवाद पर मोदी का दो टूक संदेश

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बिश्केक, 1 सितंबर 2026। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का कड़ा और स्पष्ट रुख दोहराया। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद के पूरे तंत्र को समाप्त करने के लिए एकजुट होकर कार्रवाई करने का आह्वान किया।

सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान सहित एससीओ सदस्य देशों के शीर्ष नेता मौजूद रहे। आतंकवाद के पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल आतंकवादियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने आतंकवाद की फंडिंग, भर्ती, कट्टरपंथ और आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने वाले पूरे नेटवर्क को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने एससीओ सदस्य देशों से आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड समाप्त करने और एक समान नीति अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी रूप में रणनीतिक साधन के तौर पर इस्तेमाल करने या आतंकियों को समर्थन एवं संरक्षण देने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

भारत लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ व्यापक और समन्वित कार्रवाई की मांग करता रहा है। एससीओ सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री मोदी ने इसी नीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा। मोदी-शी-पुतिन की मुलाकात ने खींचा ध्यान

शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात भी चर्चा का केंद्र रही। सम्मेलन स्थल पर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर अभिवादन किया और दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई। वहीं रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात को भारत-रूस संबंधों और वैश्विक मुद्दों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत और रूस के नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के साथ क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने भारत की वर्ष 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के संदर्भ में भी चर्चा की। वैश्विक मंच पर भारत की सक्रिय कूटनीति एससीओ सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय भागीदारी को भारत की बहुपक्षीय कूटनीति के महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत एक ओर सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे को मजबूती से उठा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ संवाद और सहयोग की नीति को भी आगे बढ़ा रहा है। सम्मेलन के दौरान मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। हालांकि इन मुलाकातों को किसी नए राजनीतिक गठबंधन के संकेत के रूप में देखना जल्दबाजी होगी, क्योंकि भारत लगातार स्वतंत्र और राष्ट्रीय हितों पर आधारित विदेश नीति को प्राथमिकता देता रहा है।

BRICS से पहले दिल्ली में ट्रैफिक अलर्ट, VVIP रिहर्सल से बदले मार्ग

भारतार्थ खबर अशोक कुमार सिंह
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 1 सितंबर 2026। आगामी इफ्तार शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बीच मंगलवार को नई दिल्ली में VVIP मोटरकेड की फुल-स्केल रिहर्सल के चलते कई प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सुरक्षा तैयारियों के तहत कुछ स्थानों पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के साथ आवश्यकता के अनुसार यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया गया। रिहर्सल को देखते हुए नई दिल्ली और मध्य दिल्ली के संवेदनशील एवं प्रमुख मार्गों पर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। सुरक्षा व्यवस्था और VVIP आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न चौराहों एवं मार्गों पर विशेष निगरानी रखी गई। इन प्रमुख मार्गों पर पड़ा असर रिहर्सल के दौरान सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्ति मार्ग, अकबर रोड, मथुरा रोड, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, जनपथ, अशोका रोड, बाराखंबा रोड, शांति पथ, नीति मार्ग और पंचशील मार्ग सहित कई प्रमुख सड़कों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया। यातायात नियंत्रण के दौरान जरूरत के अनुसार वाहनों को वैकल्पिक रास्तों पर भेजा गया। आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों की आवाजाही को प्राथमिकता देने की व्यवस्था भी रखी गई। यात्रियों से अतिरिक्त समय लेकर चलने की अपील इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में यातायात पुलिस ने यात्रियों से घर से निकलने से पहले संबंधित मार्गों की स्थिति की जानकारी लेने और संभावित यातायात दबाव को देखते हुए यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखने की सलाह दी है। भीड़भाड़ वाले मार्गों से बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन, विशेषकर मेट्रो सेवा, का उपयोग यात्रियों के लिए सुविधाजनक विकल्प हो सकता है। BRICS सम्मेलन को लेकर सुरक्षा तैयारियां तेज

नई दिल्ली में प्रस्तावित BRICS शिखर सम्मेलन को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा और यातायात संबंधी तैयारियों को तेज किया गया है। संभावित VVIP आवागमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एजेंसियों और यातायात व्यवस्था से जुड़े विभागों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। मंगलवार को हुआ VVIP मोटरकेड रिहर्सल इसी व्यापक सुरक्षा तैयारी का हिस्सा बताया गया। सम्मेलन से पहले आने वाले दिनों में भी सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुसार दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किए जा सकते हैं। यात्रियों से यातायात संबंधी आधिकारिक सूचनाओं पर ध्यान देने और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है।

जल विवादों पर कर्नाटक की कानूनी तैयारी तेज

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 1 सितंबर 2026। कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री एन. चालुवारायास्वामी ने राज्य से जुड़े प्रमुख अंतरराज्यीय नदी जल विवादों और महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं पर कानूनी रणनीति को मजबूत करने के उद्देश्य से नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में कावेरी नदी जल विवाद, मेकेदातु परियोजना तथा अपर कृष्णा परियोजना (यूकेपी) से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और कानूनी टीम के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, केबीजेएनएल के प्रबंध निदेशक कृष्णमूर्ति कुलकर्णी, आईएसडब्ल्यू के मुख्य अभियंता नंदीश तथा सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता-ऑन-रिकॉर्ड निशांत पाटिल सहित राज्य की कानूनी टीम के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। कावेरी विवाद पर कानूनी पहलुओं की समीक्षा बैठक में कावेरी नदी जल विवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और कावेरी बेसिन में जल उपलब्धता की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही कर्नाटक के हितों की रक्षा के

लिए सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनाई जाने वाली कानूनी रणनीति और आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श हुआ। राज्य के पक्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध तथ्यों, जल की वास्तविक स्थिति और कानूनी प्रावधानों के आधार पर मजबूत तर्क तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। मेकेदातु परियोजना के महत्व पर चर्चा जल संसाधन मंत्री एन. चालुवारायास्वामी ने बैठक के दौरान मेकेदातु परियोजना के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों और वर्षा के पैटर्न में हो रहे बदलावों के संदर्भ में जल भंडारण क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने कानूनी टीम के समक्ष यह पक्ष रखा कि मेकेदातु जलाशय परियोजना से जल प्रबंधन को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है और इसका लाभ कर्नाटक के साथ-साथ निचले क्षेत्रों में जल उपयोग से जुड़े हितों को भी मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जल परिस्थितियां और वर्षा में उतार-चढ़ाव भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रभावी जल प्रबंधन की जरूरत को दर्शाते हैं। अपर कृष्णा परियोजना की चुनौतियों पर मंथन बैठक में अपर कृष्णा परियोजना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इनमें परियोजना क्षेत्र में जलमग्न भूमि से संबंधित चुनौतियां, भूमि अधिग्रहण, प्रभावित लोगों को मुआवजा वितरण, मध्यस्थता संबंधी कार्यवाही और विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों का विषय प्रमुख रहा। इन मामलों के शीघ्र और प्रभावी समाधान के लिए कानूनी एवं प्रशासनिक स्तर पर संभावित रणनीतियों पर विचार किया गया। परियोजना से जुड़े लंबित विवादों के समाधान की दिशा में आवश्यक कानूनी कदमों को लेकर भी चर्चा हुई। किसानों के हितों की सुरक्षा पर जोर बैठक में अंतरराज्यीय जल विवादों में कर्नाटक के दावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा राज्य के किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। मंत्री की मौजूदगी में कानूनी विशेषज्ञों और अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले संभावित कानूनी तर्कों और रणनीतिक दृष्टिकोण पर व्यापक विचार-विमर्श किया। बैठक को कर्नाटक से जुड़े महत्वपूर्ण जल विवादों और सिंचाई परियोजनाओं के मामलों में राज्य की कानूनी तैयारी को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। आने वाले समय में कावेरी जल विवाद, मेकेदातु परियोजना और अपर कृष्णा परियोजना से संबंधित मामलों में राज्य की आगे की कानूनी कार्रवाई पर विशेष नजर रहेगी।

SCO मंच पर मोदी, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बिश्केक (किर्गिस्तान), 1 सितंबर 2026। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। सम्मेलन के दौरान तीनों नेताओं की संक्षिप्त बातचीत और अभिवादन के दृश्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया तथा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने रहे। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों का आधिकारिक समूह फोटो सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति शी जिनपिंग, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित कई देशों के नेता एक ही मंच पर मौजूद रहे।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो से पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से संक्षिप्त मुलाकात की और बातचीत की। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच इस अवसर पर किसी औपचारिक बातचीत या हाथ मिलाने की सूचना सामने नहीं आई। 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित हुआ शिखर सम्मेलन

बिश्केक में आयोजित यह एससीओ सम्मेलन संगठन की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष महत्व रखता है। सम्मेलन में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देशों सहित सदस्य देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। भारत वर्ष 2017 से शंघाई सहयोग संगठन का पूर्ण सदस्य है। संगठन क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, संपर्क व्यवस्था, आर्थिक सहयोग और बहुपक्षीय समन्वय जैसे मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच संवाद का मंच प्रदान करता है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष और शांति पर भारत का रुख प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई बातचीत में भारत-रूस संबंधों

संपादकीय

अहंकार की राख में छिपा प्रकृति का सत्य

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आसमान छूती इमारतें, समुद्र की गहराइयों तक पहुंचने की क्षमता और अंतरिक्ष की यात्राएं मानव की अद्भुत उपलब्धियों का प्रमाण हैं। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच कहीं न कहीं मनुष्य के भीतर यह भ्रम भी पैदा हुआ है कि वह प्रकृति को अपने नियंत्रण में कर सकता है। प्रकृति का इतिहास इस भ्रम को बार-बार तोड़ता रहा है। बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, जंगलों की आग और अन्य प्राकृतिक आपदाएं जब विकराल रूप धारण करती हैं, तब मानव की विशाल इमारतें, संपत्ति और तकनीकी सामर्थ्य भी सीमित दिखाई देने लगती है। कुछ ही समय में परिस्थितियां बदल जाती हैं और इंसान को एहसास होता है कि जीवन कितना अनिश्चित है। प्रकृति के सामने कोई बड़ा नहीं आपदा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि प्रकृति के सामने मनुष्य की सामाजिक हैसियत, धन और पद का कोई विशेष महत्व नहीं रहता। जिस घर को बनाने में वर्षों की मेहनत लगती है, वह क्षण भर में नष्ट हो सकता है। जिस संपत्ति को जुटाने में पूरी जिंदगी निकल जाती है, उसे बचाने का अवसर कभी-कभी इंसान को मिलता ही नहीं। फिर प्रश्न उठता है–आखिर किस बात का अहंकार? धन के लिए संघर्ष, जमीन के लिए विवाद, पद के लिए प्रतिस्पर्धा और प्रतिष्ठा के लिए रिश्तों तक को दांव पर लगा देना–क्या यही जीवन का अंतिम उद्देश्य है? मनुष्य अक्सर यह भूल जाता है कि जीवन स्थायी नहीं है। स्थायी यदि कुछ है, तो वह है हमारे कर्मों का प्रभाव और लोगों के मन में छोड़ी गई हमारी स्मृति। आपदाएं केवल चेतावनी नहीं, आत्ममंथन का अवसर भी नेपाल सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर आई प्राकृतिक आपदाओं की तस्वीरों ने मानव समाज को प्रकृति की शक्ति का एहसास कराया है। ऐसी घटनाओं को केवल भय और विनाश के रूप में देखने के बजाय उनसे सबक लेना भी आवश्यक है। प्रकृति हमें याद दिलाती है कि नदियां केवल जलधाराएं नहीं हैं; वे जीवन और सभ्यताओं की आधारशिला हैं। पहाड़ केवल भूमि का हिस्सा नहीं, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जंगल केवल लकड़ी का स्रोत नहीं, बल्कि असंख्य जीवों और मानव जीवन के लिए आवश्यक प्राकृतिक व्यवस्था हैं। इसलिए विकास की दौड़ में प्रकृति को केवल संसाधन समझना दूरदर्शी दृष्टिकोण नहीं हो सकता। विकास हो, लेकिन संतुलन के साथ आधुनिक समाज को विकास की आवश्यकता है। सड़कें, आवास, उद्योग, तकनीक और आधारभूत ढांचा जीवन को बेहतर बनाते हैं। लेकिन विकास की दिशा ऐसी होनी चाहिए जिसमें पर्यावरणीय संतुलन और आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाए। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह, पहाड़ों की संवेदनशीलता, जंगलों और जलस्रोतों की सुरक्षा की अनदेखी लंबे समय में समाज के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। वास्तविक विकास वही है जिसमें मनुष्य प्रकृति पर विजय प्राप्त करने की बजाय उसके साथ संतुलन बनाकर आगे बढ़े। जीवन की प्राथमिकताएं भी तय करनी होंगी प्रकृति की कोई भी बड़ी घटना हमें अपने व्यक्तिगत जीवन की ओर देखने का अवसर देती है। क्या हमारे पास पर्याप्त धन है, लेकिन परिवार के लिए समय नहीं? क्या घर बड़ा है, लेकिन उसमें रिश्तों की गर्माहट कम हो गई है? क्या सामाजिक प्रतिष्ठा है, लेकिन मन में शांति नहीं? क्या हम दूसरों को पीछे छोड़ने की दौड़ में इतने आगे निकल गए कि अपने ही लोगों से दूर हो गए? इन प्रश्नों का उत्तर हमें स्वयं से पूछना होगा। जीवन की वास्तविक समृद्धि केवल बैंक खाते, संपत्ति या पद से नहीं मापी जा सकती। किसी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना, जरूरतमंद का हाथ थामना, माता-पिता के साथ समय बिताना और अपनों को क्षमा कर देना भी जीवन की बड़ी उपलब्धियां हैं। अहंकार से बड़ी है विनम्रता मनुष्य कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, समय और प्रकृति के सामने उसकी सीमाएं हैं। धन एक दिन पीछे छूट जाता है, शरीर मिट्टी में मिल जाता है और पद-प्रतिष्ठा समय के साथ समाप्त हो जाती है। लेकिन अच्छे कर्मों की स्मृति लंबे समय तक जीवित रह सकती है। इसलिए जीवन में अहंकार से अधिक विनम्रता, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और संग्रह से अधिक सेवा का महत्व समझना आवश्यक है। प्रकृति का संदेश स्पष्ट है–मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं, उसका एक हिस्सा है। आज का संकल्प जब तक जीवन है, किसी से मनमुटाव हो तो उसे दूर करने का प्रयास कीजिए। किसी जरूरतमंद की सहायता कीजिए। परिवार और मित्रों के लिए समय निकालिए। प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाइए और अपने आसपास के जीवन का सम्मान कीजिए। क्योंकि आने वाला पल हमारे नियंत्रण में नहीं है। हमारे अधिकार में केवल वर्तमान है और यही तय करता है कि हम अपने जीवन को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लालच और क्रोध पर विजय पाने में है। अंतिम सीख जिंदगी सीमित है और संसार विशाल। हम यहां हमेशा रहने के लिए नहीं आए हैं। हमारे जाने के बाद हमारे पास न धन रहेगा, न पद और न ही भौतिक संपत्ति। पीछे रहेंगे तो हमारे कर्म, हमारा व्यवहार और लोगों के दिलों में हमारी स्मृति। धन की विरासत कुछ पीढ़ियों तक सीमित रह सकती है, लेकिन इंसानियत की विरासत पीढ़ियों को दिशा दे सकती है। इसलिए प्रकृति का सम्मान करें, जीवन का सम्मान करें और मानवता को सर्वोच्च स्थान दें। अहंकार चाहे कितना भी ऊंचा हो, प्रकृति के सामने अंततः विनम्र होना पड़ता है। प्रार्थनाः प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा हो, दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और पीड़ित परिवारों को इस कठिन समय से उबरने की शक्ति प्राप्त हो।

कंक्रीट का विस्तार और डूबते शहरः नीतिगत सुधार की दरकार

देश के प्रमुख महानगरों और तेजी से उभरते मझोले शहरों में मानसूनी बारिश के साथ जलभराव अब आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक स्थायी प्रशासनिक विफलता का रूप ले चुका है । हाल के दिनों में दिल्ली, गुरुग्राम से लेकर बेंगलुरु और चेन्नई तक सामान्य से अधिक वर्षा होते ही बुनियादी ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गईं । यह स्थिति मात्र जलवायु परिवर्तन का प्रभाव नहीं, बल्कि अनियोजित कंक्रीटीकरण और नगर नियोजन की दूरदर्शिता में भारी कमी का स्पष्ट संकेत है।

अनियोजित विकास और खत्म होते जल-स्रोत

समस्या की मूल वजह प्राकृतिक जल-प्रवाह तंत्र और आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) पर बढ़ता मानवीय अतिक्रमण है । रियल एस्टेट के अनियंत्रित विस्तार ने झीलों, तालाबों और प्राकृतिक नालों के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है । वर्षा का जल जिस तेजी से जमीन में रिसना चाहिए था, वह पक्की सड़कों और इमारतों के कारण सतह पर जमा हो जाता है । प्रशासनिक स्तर पर हर वर्ष मानसून से पूर्व नालों की सफाई और ड्रेनेज क्षमता बढ़ाने के दावे होते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के बिल्कुल विपरीत नजर आती है।

जवाबदेही और आपदा प्रबंधन का अभाव

शहरी निकायों में बहु-विभागीय समन्वय की भारी कमी विकास योजनाओं को विफल बनाती है । नगर निगम, विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग के बीच सामंजस्य न होने से ड्रेनेज मास्टर प्लान कागजों तक सीमित रह जाते हैं । जब तक नालों की क्षमता वृद्धि और स्टॉर्म-वॉटर ड्रेनेज के तकनीकी मानकों को अनिवार्य नहीं बनाया जाएगा, तब तक आपातकालीन राहत कार्य स्थायी समाधान नहीं दे सकते।

भविष्य की राहः स्पंज-सिटी दृष्टिकोण

शहरी विकास की परिभाषा को केवल ऊंची इमारतों और फ्लाईओवर तक सीमित रखने की बजाय 'जलवायु-अनुकूल' (Climate-Resilient) बनाना अनिवार्य है । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल 'स्पंज-सिटी' मॉडल को अपनाना होगा, जिसमें पार्क, खेल के मैदान और जल-संचयन क्षेत्रों को भारी वर्षा के समय अतिरिक्त पानी सोखने के लिए तैयार किया जाता है । इसके साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन और स्थानीय निकायों की आर्थिक व प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए । विकास वही सार्थक है जो जीवन को सुगम बनाए, न कि नागरिकों को हर मौसम में आपदा के मुहाने पर धकेल दे।

पुस्तक समीक्षा –

काले अक्षर कविता और कवि काव्य संग्रह

समीक्षक - लालबहादुर चौरसिया 'लाल'

महामंत्री - विश्व हिंदी शोध एवं संवर्धन अकादमी, आजमगढ़ इकाई

वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान, उमड़कर आँखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान। महाकवि सुमित्रानंदन पंत जी की इन पंक्तियों को जब मैं पढ़ता हूँ और इसकी गहराई में जाता हूँ, तो अनेक कवियों की छाया मेरे अंतःपटल पर अंकित हो उठती है। ऐसे कवि सिर्फ. समाज के लिए अवतरित होते हैं। समाज की पीड़ा और आह्लाद उनकी कविताओं में निहित होता है। उन्हीं कवियों में एक हैं साहित्यकार श्री पवन तिवारी जी। काले अक्षर कविता और कवि उनका पहला काव्य संग्रह है। कविता क्या है? कवि क्या है? इन शब्दों की परिभाषाएँ अनेक विद्वानों ने अपनी-अपनी क्षमता के अनुरूप दी हैं। कविता मन की सूक्ष्म अभिव्यक्ति है। कविता किसी कवि द्वारा की गई साहित्यिक साधना का वह प्रसाद है, जिसके ग्रहण करने से संपूर्ण जनमानस सुखद एवं तृप्ति की अनुभूति प्राप्त करता है। हाँ, एक बात तो सत्य है कि कविता के तीन मूल तत्त्व हैं, यदि कोई कविता इन तीनों मूल तत्त्वों से विरक्त है तो वह कविता कहलाने की हकदार नहीं है। ये तीनों मूल तत्त्व हैं - लोक-रंजन, लोक-मंगल व लोक-रक्षण। पवन तिवारी जी की पुस्तक काले अक्षर कविता और कवि सैंतीस विविध रंगों व भावों से अनुप्राणित कविताओं का एक अनूठा काव्य संग्रह है। पुस्तक की सभी रचनाएँ अतुकांत हैं। कविता में पीड़ा के साथ-साथ समाज की विभिन्न विद्रूपताओं को साहित्यकार पवन तिवारी जी ने पटल पर लाने का भरपूर प्रयास किया है। वास्तव में कविता पीड़ा से ही निकलती है, अभाव से निकलती है। परिस्थितियाँ जब विपरीत होती हैं तब कविता निकलती है। कहने का तात्पर्य यह नहीं है कि जो गरीब हो या जो अभाव से ग्रस्त हो, वही कविता लिखेगा। कविता लिखने के लिए हमें अपने मन को वहाँ तक पहुँचाना होगा, तब जाकर सच्ची कविता निकलेगी। सच्ची कविता को ही समाज अंगीकार करेगा। पुस्तक काले अक्षर कविता और कवि इन्हीं मनोभावों से अनुप्राणित है। कवि श्री पवन तिवारी जी ने अपनी पुस्तक में सिर्फ.स्वयं से संवाद नहीं किया है। यह संवाद लाखों-करोड़ों लोगों का संवाद जान पड़ता है। यही कविता की सार्थकता है। पवन जी ने

अनेक अनछुए पहलुओं पर अपनी लेखनी चलाई है। पुस्तक की दूसरी कविता 'मरकर लिया भूख ने बदला' में मनुष्य और भूख का अंतर्द्वंद्व चिंतन करने पर मजबूर कर देता है। मनुष्य हो या कोई जीव, वह भूखा नहीं रह सकता। किंतु अभाव में, विपन्नता में जब उसे भोजन नहीं मिलता है तो उसके अंदर भूख का जन्म होता है। धीरे-धीरे भूख अपने चरम पर पहुँचती है, अर्थात जवान होती है और जब भोजन की पूर्ति नहीं होती है तो धीरे-धीरे मरने लगती है। भूख सिर्फ. भोजन की ही नहीं होती। मान की भी होती है, पद की भी होती है, प्रतिष्ठा की भी होती है, धन की भी होती है। पवन जी ने भूख के माध्यम से बड़ा ही सूक्ष्म अवलोकन प्रस्तुत किया है - भूख ने देख लिया था, मेरी मजबूरी की रसोई को, शायद इसीलिए उसने साध ली थी, चुप्पी, उसे आदत पड़ गई थी, भूख घुट-घुट कर मर रही थी, अंदर ही अंदर। कविता 'अब मैं गाँव नहीं हूँ' में पवन तिवारी जी ने गाँव के बदलते स्वरूप का बड़ा ही हृदयस्पर्शी खाका खींचा है। गाँव के भौगोलिक एवं सांस्कृतिक बदलाव पर कवि स्वयं स्तब्ध हैं। कविता पढ़कर जिसने गाँव देखा है वह जरूर भावुक हो जाएगा। इस कविता में गाँव अपने हृदय के दर्द को चीख-चीख कर बयाँ कर रहा है। एक बानगी देखें - मुझे शहर बनाने के नाम पर, विकास के नाम पर, लूटा गया। मुझे पिछड़ा, गँवार कह कर, दुत्कारा गया, शहर बनने के सपने दिखाए गए, हमारे खेतों-खलिहानों को, उद्योगों के नाम पर हड़प लिया गया। बारिश का मौसम सभी को बड़ा ही मनोहारी लगता है, बड़ा ही सुहाना व सुखद होता है। बारिश तो सभी ने अवश्य देखी होगी। हजारों कवियों ने वर्षा ऋतु का वर्णन बड़े ही रोचक ढंग से किया है। कहा जाता है वर्षा ऋतु, नायक-नायिका के प्रेम में उद्दीपन का आधार प्रदान करती है। बरसात का मौसम पवन तिवारी जी ने भी देखा, लेकिन क्या देखा - बिल्कुल अलग। 'निर्दयी और बदसूरत बारिश' शीर्षक कविता में कवि ने एक असहाय, पत्थर काटने वाली, सड़क के किनारे झुग्गी-झोपड़ी में रात बिताने वाली अबला की व्यथा का चित्रण करते हुए लिखा है - टाट की छत से, उसके चूल्हे और भात में, बेरहमी से टपकी, नहीं बरसी थी, नीचे भी, जबरदस्ती घुस आई थी, फटी चटाई पर और, उस पर सोया था, उसका दो साल का बेटा। कवि श्री पवन तिवारी जी ने 'मैंने भविष्य देखा' शीर्षक कविता में अपनी बेबाक लेखनी चलाई है और ऐसे भविष्य को देखा है कि जिसके एहसास मात्र से ही रोम-रोम कंपायमान हो उठता है। समाज के तीव्र गति से बदलते स्वरूप की ऐसी तस्वीर दिखाई गई है कि पढ़कर मन द्रवित हो उठता है - यहाँ अब पति-पत्नी नहीं होते, विवाह शब्द भविष्य के लोग नहीं जानते, स्त्रियों एवं पुरुषों में कोई भेद नहीं होता, वे माँ नहीं बनतीं, बच्चे नहीं जनतीं। मनुष्य हो गया है रोबोट, और रोबोट मनुष्यता की ओर बढ़ रहा है, मनुष्य, मनुष्य से आदमी और, आदमी से रोबोट हो गया है। 'तब लिखता हूँ कविता' शीर्षक के माध्यम से पवन जी समय का आवरण हटाकर समाज में फैली विभीषिका को बड़े ही आत्मीय ढंग से प्रस्तुत करते हैं - मैं क्यों लिखता हूँ, तुम रोज पूछते हो, सो सोचा आज तुम्हें बता दूँ, एक श्रमिक को, मजदूरी के बदले मिलती हैं, निःशुल्क भद्दी गालियाँ, वह समझ नहीं पाता कि, क्यों मिलीं उसे गालियाँ, तड़प उठता है, उसका रोम-रोम। पवन तिवारी जी के काव्य संग्रह की कविताएँ - 'आलोचना की खोज', 'सपने में गाँव', 'सबसे बड़ा दुख', 'कवि और पीड़ा', 'गाँव में नई दीवारें', 'काले अक्षर कविता और कवि', 'पेड़ अब नहीं हँसता', 'मैं तुम पर कविता क्यों नहीं लिखता' - शीर्षक के रूप में बड़ी ही हृदयस्पर्शी हैं। कविताओं में भाव, भाषा, शिल्प, कथ्य व प्रवाह बेजोड़ है। आर. के. पब्लिकेशन, मुंबई से प्रकाशित यह पुस्तक श्री पवन जी का शानदार काव्य संग्रह है। काव्य संग्रह प्रकाशन के साथ-साथ साहित्यकार श्री पवन तिवारी जी को हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। मेरा पूर्ण विश्वास है कि साहित्य जगत में यह पुस्तक काले अक्षर कविता और कवि एक कीर्तिमान स्थापित करेगी।

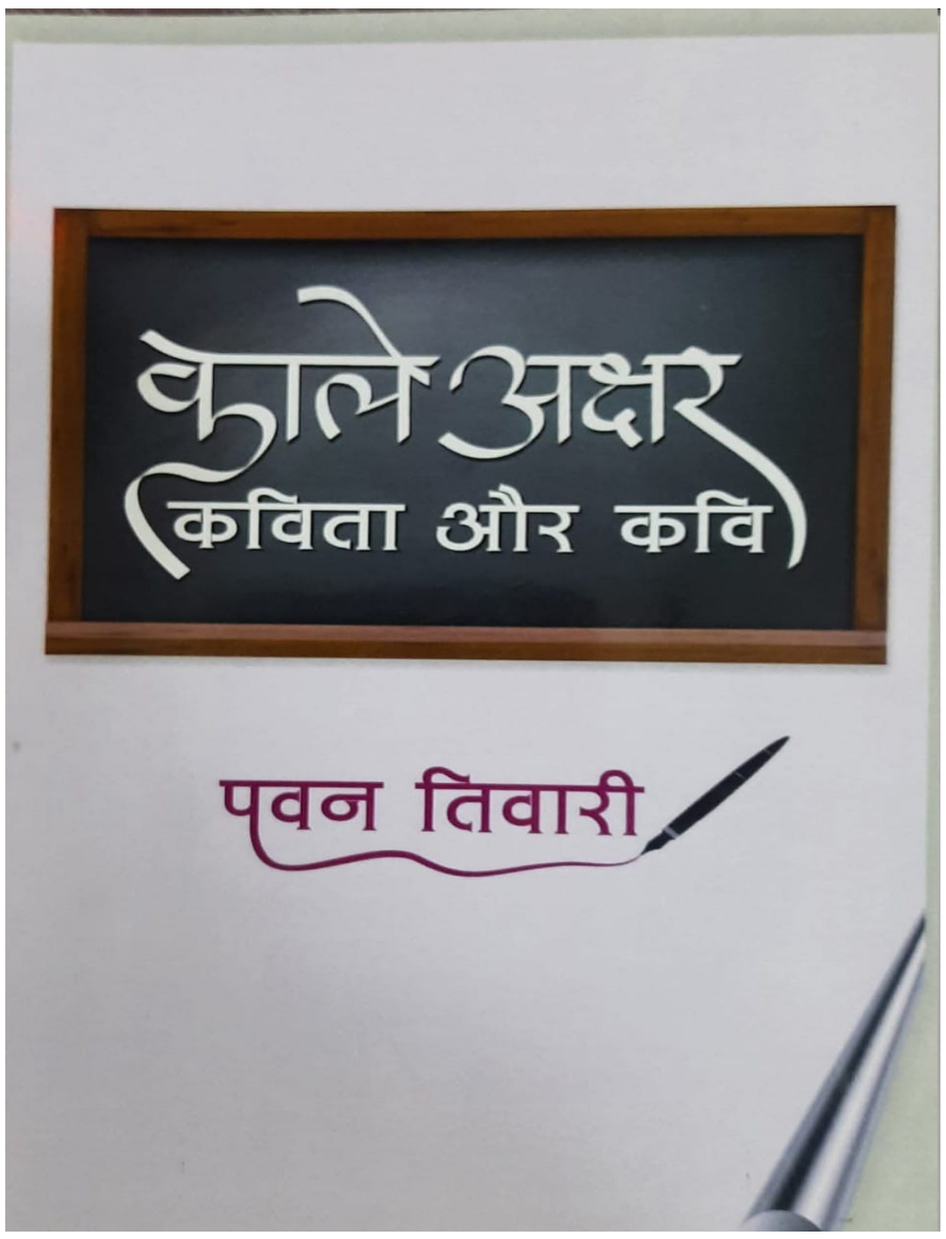

समीक्षक – लालबहादुर चौरसिया 'लाल'
महामंत्री – विश्व हिंदी शोध एवं संवर्धन अकादमी, आजमगढ़ इकाई

दुर्योधन का पतनः अहंकार से अधर्म तक की गाथा

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

कुरुक्षेत्र की महाभयंकर लड़ाई समाप्त हो चुकी थी। कौरव सेना का लगभग पूरा विनाश हो गया था और दुर्योधन स्वयं युद्धभूमि में घायल पड़ा था। जिस राजकुमार ने जीवनभर सत्ता, सामर्थ्य और अपने निर्णयों पर गर्व किया, उसके सामने अब युद्ध का अंतिम परिणाम था। महाभारत का यह प्रसंग केवल एक राजा की पराजय की कथा नहीं है। यह उस मानसिकता का प्रतीक है जिसमें अहंकार विवेक को दबा देता है और सत्ता का मोह धर्म तथा न्याय की आवाज को अनसुना कर देता है। दुर्योधन की पराजय के पीछे क्या था? महाभारत की कथा में दुर्योधन का चरित्र जटिल है। वह पराक्रमी और युद्धकौशल से संपन्न था, लेकिन पांडवों के प्रति उसकी शत्रुता धीरे-धीरे इतनी गहरी होती गई कि उसने अनेक अवसरों पर समझौते और न्यायपूर्ण समाधान को स्वीकार नहीं किया। राज्य और अधिकार को लेकर पांडवों तथा कौरवों के बीच बढ़ता संघर्ष अंततः कुरुक्षेत्र के युद्ध तक पहुंचा। द्यूतसभा की घटना ने इस संघर्ष को और गंभीर बना दिया। द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत की कथा में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ बनता है। सभा में उनके साथ हुआ व्यवहार केवल एक स्त्री का अपमान नहीं, बल्कि उस समय की राजसभा में धर्म और मर्यादा से जुड़े गंभीर प्रश्नों को सामने लाता है। क्या दुर्योधन ने मृत्यु से पहले द्रौपदी से यह संवाद किया था? लोकप्रिय कथाओं, सोशल मीडिया पोस्ट और विभिन्न आधुनिक प्रस्तुतियों में दुर्योधन तथा द्रौपदी के बीच मृत्यु से ठीक पहले एक मार्मिक संवाद का वर्णन मिलता है। इसमें दुर्योधन द्वारा अपने पतन के कारणों को स्वीकार करने और द्रौपदी से पश्चाताप व्यक्त करने की बात कही जाती है। लेकिन इसे महाभारत के मूल प्रमाणित प्रसंग के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है। महाभारत के प्रचलित पाठ में दुर्योधन की अंतिम अवस्था, पांडवों के साथ उसका संवाद और उसके बाद की घटनाओं का वर्णन मिलता है, लेकिन द्रौपदी के साथ इस प्रकार का विस्तृत अंतिम संवाद प्रमाणित रूप से नहीं मिलता। इसलिए इस प्रसंग को ऐतिहासिक अथवा मूल महाभारत का शब्दशः संवाद मानने के बजाय लोकप्रिय साहित्यिक कल्पना या आधुनिक पुनर्कथन के रूप में देखना अधिक उचित है। फिर महाभारत हमें क्या सिखाता है? इस प्रसंग का वास्तविक महत्व काल्पनिक संवाद में नहीं, बल्कि महाभारत के व्यापक नैतिक संदेश में है। दुर्योधन के चरित्र के माध्यम से यह प्रश्न सामने आता है कि जब मनुष्य के पास शक्ति हो, लेकिन विवेक न हो, तब वह शक्ति समाज और स्वयं उसके लिए विनाश का कारण बन सकती है। दुर्योधन के पास सामर्थ्य था, उसके साथ बड़ी सेना थी और उसके पक्ष में अनेक महान योद्धा खड़े थे। फिर भी अंततः उसका पक्ष पराजित हुआ। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है–शक्ति तभी सार्थक है, जब उसके साथ न्याय और विवेक भी हो। द्रौपदी का अपमान और युद्ध की पृष्ठभूमि द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत के सबसे चर्चित और पीड़ादायक प्रसंगों में से एक है। द्यूतसभा में हुई घटनाओं ने पांडवों और कौरवों के बीच पहले से मौजूद तनाव को निर्णायक संघर्ष की दिशा में धकेला। इसीलिए द्रौपदी की पीड़ा को महाभारत की युद्ध-कथा के महत्वपूर्ण नैतिक संदर्भों में देखा जाता है। यह प्रसंग समाज को यह चेतावनी भी देता है कि किसी व्यक्ति की गरिमा का अपमान केवल व्यक्तिगत घटना नहीं रह जाता; उसके दूरगामी सामाजिक और राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। अहंकार की सबसे बड़ी हार दुर्योधन की कहानी को यदि आज के जीवन से जोड़कर देखें तो इसका संदेश और भी स्पष्ट हो जाता है। धन हो या पद, सत्ता हो या प्रतिष्ठा–इनमें से कोई भी मनुष्य को असीमित अधिकार नहीं देता। जब अहंकार निर्णयों पर हावी हो जाता है, तब सही सलाह भी दिखाई नहीं देती। जीवन में कई बार मनुष्य के सामने समझौते, क्षमा और संवाद के रास्ते खुले होते हैं। लेकिन यदि वह केवल अपनी जिद को सत्य मानता रहे, तो संघर्ष बढ़ता जाता है। महाभारत इसी मानसिकता के परिणामों पर विचार करने का अवसर देता है। कर्म और उत्तरदायित्व का संदेश महाभारत का सबसे बड़ा संदेश यह नहीं कि कौन जीता और कौन हारा। इससे बड़ा प्रश्न यह है कि मनुष्य अपने निर्णयों की जिम्मेदारी कितनी स्वीकार करता है। दुर्योधन का जीवन हमें बताता है कि सामर्थ्य के बावजूद गलत निर्णयों की श्रृंखला अंततः व्यक्ति को ऐसी स्थिति में पहुंचा सकती है जहां लौटने का अवसर समाप्त हो जाता है। इसलिए जीवन में शक्ति से अधिक विवेक, संपत्ति से अधिक सदाचार और विजय से अधिक न्याय का महत्व है। आज के समाज के लिए सीख आज भी परिवारों, संस्थाओं और समाज में छोटे-छोटे विवाद कभी-कभी अहंकार के कारण बड़े संघर्ष में बदल जाते हैं। लोग अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय उसे सही साबित करने में अपनी ऊर्जा लगा देते हैं। महाभारत हमें इससे अलग रास्ता दिखाता है–संवाद कीजिए, समय रहते समझौता कीजिए, अन्याय का विरोध कीजिए और अपनी शक्ति का उपयोग कमजोर को दबाने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कीजिए। किसी भी स्त्री का सम्मान केवल सामाजिक मर्यादा नहीं, बल्कि सभ्य समाज की पहचान है। अंतिम संदेश दुर्योधन और द्रौपदी के कथित अंतिम संवाद को प्रमाणित ऐतिहासिक प्रसंग मानने के बजाय यदि हम उसे एक साहित्यिक प्रतीक के रूप में देखें, तो उसका संदेश अत्यंत प्रभावशाली बन जाता है। वह संदेश है– अहंकार कितना भी बड़ा हो, सत्य से बड़ा नहीं हो सकता। सत्ता कितनी भी शक्तिशाली हो, न्याय से ऊपर नहीं हो सकती। और मनुष्य कितना भी सामर्थ्यवान हो, अपने कर्मों के परिणाम से बच नहीं सकता। कुरुक्षेत्र की कथा आज भी हमें यही याद दिलाती है कि वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लोभ, क्रोध और अन्याय पर विजय पाने में है। ॥ सत्यमेव जयते ॥

हिमालय की आपदाः बाढ़ ने फिर चेताया, प्रकृति से खिलवाड़ की कीमत भारी

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने के बाद आई भीषण बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक इस प्राकृतिक आपदा में मृतकों की संख्या एक हजार से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि हजारों लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच जारी है।

यह त्रासदी केवल एक देश की आपदा नहीं है। हिमालय भारत, नेपाल, भूटान और तिब्बत सहित पूरे दक्षिण एशिया के करोड़ों लोगों के जीवन, जलस्रोतों और पारिस्थितिकी से जुड़ा हुआ है। विशेषज्ञों और संयुक्त राष्ट्र से जुड़े आकलनों में हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों तथा हिमनद झीलों से जुड़ी बाढ़ के बढ़ते जोखिम को लेकर चिंता व्यक्त की गई है।

ऐसी घटनाएं हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती हैं कि विकास की दौड़ में पर्यावरणीय संतुलन को कितना महत्व दिया जा रहा है। सड़क, बिजली, पर्यटन और जलविद्युत परियोजनाएं आवश्यक हैं, लेकिन हिमालय जैसे नाजुक भूभाग में विकास की हर योजना वैज्ञानिक जोखिम आकलन, मजबूत चेतावनी प्रणाली और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा को केंद्र में रखकर ही आगे बढ़नी चाहिए।

आज आवश्यकता आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि आपदा से सीख लेकर भविष्य की तैयारी मजबूत करने की है। समय रहते चेतावनी, सुरक्षित पुनर्वास, सीमापार सहयोग और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं से होने वाली मानवीय क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। प्रकृति के संकेतों को नजरअंदाज करना आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट को आमंत्रण देना होगा।

दलित हितों पर कांग्रेस का दोहरा रवैया : विजयेंद्र

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

लिंगसुगुर (रायचूर), 1 सितंबर 2026। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार और दलित कल्याण से जुड़े मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि निगम से जुड़े कथित घोटाले और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण निधियों के उपयोग जैसे मुद्दों पर भाजपा का आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और संबंधित धनराशि के उचित उपयोग को सुनिश्चित नहीं किया जाता। लिंगसुगुर में आयोजित बेल्लारी चलो पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जवाबदेह ठहराने की मांग की।

नागेंद्र का इस्तीफा संघर्ष की पहली जीत : विजयेंद्र

विजयेंद्र ने कहा कि वाल्मीकि निगम मामले में तत्कालीन मंत्री बी. नागेंद्र का इस्तीफा भाजपा के आंदोलन की पहली सफलता है। उनके अनुसार, भाजपा ने जिला केंद्रों पर धरना और विभिन्न स्तरों पर आंदोलन कर सरकार पर दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संघर्ष केवल किसी मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है। पार्टी की मांग है कि वाल्मीकि निगम से जुड़े मामले में कथित रूप से प्रभावित धनराशि की जांच हो और यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता साबित होती है तो धन का उपयोग दलित एवं आदिवासी कल्याण योजनाओं के लिए सुनिश्चित किया जाए। विजयेंद्र ने कहा कि जनता दल (सेक्युलर) ने भी भाजपा के आंदोलन को समर्थन दिया और उन्होंने आंदोलन में शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

पदयात्रा पर उठे सवालों का जवाब

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पदयात्रा को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पार्टी का आंदोलन सरकार को विभिन्न मुद्दों पर जवाबदेह बनाने के लिए है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर दलित हितों के मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल और कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में आरक्षण तथा दलित कल्याण से जुड़े फैसलों की तुलना जनता के सामने होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का दावा है कि उसका आंदोलन वाल्मीकि निगम मामले, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण निधि तथा दलितों के खिलाफ होने वाले अपराधों सहित कई मुद्दों को लेकर जारी रहेगा।

एससीपी-टीएसपी निधि के उपयोग पर सवाल

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीपी) और जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) से जुड़ी धनराशि का अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया गया। उन्होंने दावा किया कि दलित और आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित निधियों के उपयोग पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को राजनीतिक और जन आंदोलन के माध्यम से उठाती रहेगी। इन आरोपों पर कांग्रेस सरकार की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया का इंतजार है।

दलितों पर अत्याचार के मामलों का मुद्दा भी उठाया

अपने संबोधन में विजयेंद्र ने राज्य में दलितों के खिलाफ अपराधों की घटनाओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कोप्पल जिले में वाल्मीकि समुदाय के एक युवक की हत्या का उल्लेख करते हुए सरकार से ऐसे मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को दलितों के खिलाफ होने वाले अपराधों और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता दिखानी चाहिए।

आरक्षण नीति को लेकर भी निशाना

विजयेंद्र ने आरक्षण व्यवस्था के क्रियान्वयन को लेकर भी कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित समुदायों के लिए किए गए प्रावधानों को मौजूदा सरकार ने प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार से जवाब मांगती रहेगी। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदीश शेट्टर, बसवराज बोम्मई, पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य एम. नागराज, कर्नाटक के सह-प्रभारी पी. सुधाकर रेड्डी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, विधायक गली जनार्दन रेड्डी, मनप्पा वज्जल, डॉ. एस. शिवराज पाटिल, भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष राजूगौड़ा नायक तथा पूर्व मंत्री शिवना गौड़ा नायक सहित पार्टी के सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुमारस्वामी पर पलटवार, KPSC मामले में जांच का इंतजार

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में पार्टी प्रवक्ता लक्ष्मण ने केंद्रीय मंत्री एवं जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि वे लगातार कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाकर अपनी पार्टी की राजनीतिक सक्रियता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। लक्ष्मण ने दावा किया कि कुमारस्वामी वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक बड़ी संख्या में प्रेस वार्ताएं कर चुके हैं और उनकी राजनीतिक गतिविधियां वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर संचालित हो रही हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ लगातार बयान देते रहे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें विशेष महत्व नहीं दिया। लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि अब कुमारस्वामी कांग्रेस नेताओं, विशेषकर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री प्रियांक खड़गे को निशाना बना रहे हैं।

प्रियांक खड़गे के बयान का हवाला

केपीसीसी प्रवक्ता ने कहा कि प्रियांक खड़गे ने कथित रूप से स्पष्ट किया है कि यदि केपीएससी से जुड़े किसी कथित घोटाले में उनकी भूमिका साबित होती है, तो वे और उनका परिवार राजनीति से संन्यास लेने को तैयार हैं। लक्ष्मण ने कुमारस्वामी से सवाल किया कि क्या वे भी अपने आरोपों और दावों के संबंध में ऐसी ही राजनीतिक जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं।

भर्ती प्रक्रिया और कथित संबंधों पर सवाल

मीडिया सम्मेलन में लक्ष्मण ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में सहायक अभियंता पदों की भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय नियुक्तियों और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े कुछ व्यक्तियों के राजनीतिक संबंधों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कुछ व्यक्तियों की भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरों का उल्लेख करते हुए सवाल उठाए और कहा कि कथित आरोपी व्यक्तियों तथा राजनीतिक नेताओं के बीच संबंधों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। लक्ष्मण ने कहा कि जिन व्यक्तियों के नाम जांच के दौरान सामने आए हैं, उनके राजनीतिक संपर्कों और कथित भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने राज्यपाल सहित संबंधित पक्षों से भी सवाल उठाए। हालांकि इन आरोपों पर भी संबंधित पक्षों की तत्काल प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी।

जांच से सच सामने आने का दावा

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मामले की जांच सीआईडी द्वारा की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को जांच पूरी होने से पहले दोषी ठहराना उचित नहीं है। लक्ष्मण ने न्यायालय की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत ने चयनित उम्मीदवारों को दोषी नहीं ठहराया है और अंतिम आदेश आने तक उन्हें अपने पदों पर बने रहने की बात कही गई है।

जांच समितियों का भी किया उल्लेख

लक्ष्मण ने भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए गठित समितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मामले की जांच और रिपोर्टों की प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर चल रही है। उन्होंने कहा कि जांच से जुड़े सभी तथ्यों को सार्वजनिक रूप से सामने आने देना चाहिए, ताकि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय प्रमाणों के आधार पर स्थिति स्पष्ट हो सके।

पेन ड्राइव को लेकर कुमारस्वामी पर सवाल

मीडिया सम्मेलन में लक्ष्मण ने कुमारस्वामी द्वारा पूर्व में पेन ड्राइव जारी करने संबंधी बयान का भी उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी के पास महत्वपूर्ण दस्तावेज या प्रमाण मौजूद हैं, तो उन्हें सार्वजनिक करने में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि कुमारस्वामी के पेन ड्राइव जारी करने के बाद वे भी अपने पास मौजूद पेन ड्राइव से जुड़ी जानकारी साझा करेंगे। हालांकि, पेन ड्राइव में मौजूद कथित सामग्री के संबंध में कोई स्वतंत्र प्रमाण या आधिकारिक जानकारी मीडिया सम्मेलन में प्रस्तुत नहीं की गई।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

लक्ष्मण ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है। उन्होंने कर्नाटक में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और अनुपस्थित अथवा स्थानांतरित मतदाताओं की संख्या को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची से नाम हटाने के मामलों में कर्नाटक की स्थिति देश में सबसे अधिक रही है।

राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस का विरोध

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नेताओं और कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और उत्तराखंड की भाजपा सरकारों पर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए मामले में दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि दलितों और नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने वाले राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से की जा रही है। हालांकि, एफआईआर दर्ज किए जाने के कानूनी आधार और संबंधित आरोपों पर भाजपा तथा उत्तराखंड सरकार की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया का इंतजार है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाया प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को सवाल उठाने और अपनी बात रखने का अधिकार देता है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामला तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जनता में नाराजगी है और कांग्रेस इस मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों तथा नागरिक स्वतंत्रता से जोड़कर देख रही है। भाजपा सरकार पर लगाए राजनीतिक आरोप कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार और उत्तराखंड सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने हल्द्वानी से जुड़े घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि मामले में निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों का पालन किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से राजनीतिक एवं नैतिक जिम्मेदारी लेने की मांग की। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार समाज में नफरत और विभाजन की राजनीति को बढ़ावा दे रही है। इन आरोपों पर भाजपा या संबंधित सरकारों की तत्काल प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी है। केपीसीसी नेताओं ने लिया हिस्सा विरोध प्रदर्शन में केपीसीसी के महासचिव एस. मनोहर, केपीसीसी प्रवक्ता एम. लक्ष्मण, ए. आनंद, प्रकाश, पसिरा रामकृष्ण, उमेश, पुट्टाराजू, कुशाल गौड़ा, सुंकदकट्टे नवीन, माधवहनूर, सैनीवीन, किशोर और शाहीन शरीफ सहित कांग्रेस के कई नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष की आवाज को कानूनी कार्रवाई के माध्यम से दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

भाजपा का नया दौर आज से: विजयेंद्र

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

लिंगसुगुर (रायचूर), 1 सितंबर 2026। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ पार्टी के आंदोलन को तेज करने का ऐलान करते हुए कहा कि भले ही प्रस्तावित मार्च निर्धारित समय पर समाप्त हो जाए, लेकिन राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का राजनीतिक संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि पार्टी आने वाले डेढ़ से दो वर्षों तक सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली को जनता के सामने रखेगी। गुरुगुंटा स्थित श्री अमरेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, जनविरोधी नीतियों और विकास कार्यों की उपेक्षा के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में जनता के बीच अपना अभियान लगातार जारी रखेगी। दस दिवसीय मार्च को बताया ऐतिहासिक विजयेंद्र ने प्रस्तावित दस दिवसीय मार्च को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। विशेष रूप से उत्तर कर्नाटक से बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकताओं की भागीदारी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लेकर पार्टी कार्यकताओं में उत्साह है और भाजपा इसे राज्यव्यापी राजनीतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। येदियुरप्पा दिखाएंगे मार्च को हरी झंडी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा मार्च को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत करेंगे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि चलवाड़ी नारायणस्वामी, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, शिवनगौड़ा नायक, स्थानीय विधायक मनप्पा वज्जल, पार्टी नेता बंगारू हनुमंथु तथा अन्य नेता और कार्यकर्ता भी अभियान में भाग लेंगे। विजयेंद्र ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकताओं ने मार्च की तैयारियों के लिए व्यापक स्तर पर काम किया है। संघर्ष की अवधि अधिक महत्वपूर्ण विजयेंद्र ने कहा कि किसी आंदोलन की सफलता केवल उसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या से तय नहीं होती, बल्कि उसके उद्देश्य और संघर्ष की निरंतरता भी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आंदोलन और राजनीतिक दबाव के कारण सरकार को कई मुद्दों पर जवाब देना पड़ा है। हालांकि, सरकार की ओर से भाजपा के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया सामने आने की स्थिति में उसका पक्ष भी महत्वपूर्ण होगा। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य आगामी राजनीतिक संघर्ष के माध्यम से जनता के बीच पहुंचकर राज्य सरकार की नीतियों को लेकर अपनी बात रखना है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में कर्नाटक में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सत्ता में आने का अवसर मिलेगा। विजयेंद्र ने कहा कि आज से भाजपा के राजनीतिक अभियान का एक नया चरण शुरू हो रहा है और पार्टी राज्य सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी।

भगवान से मांग नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रेरणा लें : वीरसागर जी

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

भारत, 1 सितंबर 2026। मंदिर में भगवान के समक्ष श्रद्धालु को केवल सांसारिक इच्छाओं की पूर्ति की अपेक्षा रखने के बजाय आत्मचिंतन और आत्मपरिवर्तन की भावना लेकर जाना चाहिए। सच्ची भक्ति निष्काम श्रद्धा, संयम और अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम है। यह विचार मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने क्या मंदिर में भगवान से कोई इच्छा करनी चाहिए? विषय पर दिए प्रवचन में व्यक्त किए। मुनि श्री ने कहा कि गृहस्थ जीवन में व्यक्ति अनेक प्रकार की चिंताओं, जिम्मेदारियों और परिस्थितियों से घिरा रहता है। ऐसे में मंदिर का शांत और पवित्र वातावरण उसे कुछ समय के लिए सांसारिक व्यस्तताओं से अलग होकर अपने भीतर झांकने का अवसर देता है। जिनेंद्र भगवान के दर्शन और वंदन से मन में शांति तथा स्थिरता का भाव विकसित हो सकता है। भक्ति को सौदे का रूप न दें प्रवचन में मुनि श्री ने श्रद्धालुओं को इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित किया कि भगवान के समक्ष उनकी भक्ति का उद्देश्य क्या है। उन्होंने कहा कि सुख, स्वास्थ्य, परिवार की समृद्धि या अनुकूल परिस्थितियों की कामना करना मानवीय स्वभाव हो सकता है, लेकिन भक्ति को केवल इच्छापूर्ति से जोड़ देना उसके आध्यात्मिक उद्देश्य को सीमित कर देता है। उन्होंने समझाया कि सच्ची श्रद्धा किसी सांसारिक सौदे की तरह नहीं होनी चाहिए कि पूजा के बदले इच्छा पूरी हो। इच्छा पूरी होने पर प्रसन्न और पूरी न होने पर निराश होने वाली भक्ति के स्थान पर श्रद्धालु को निष्काम भाव विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। परिस्थितियों से पहले स्वयं को बदलें

मुनि श्री वीरसागर जी महाराज ने कहा कि धर्म व्यक्ति को हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के अनुसार बदलने की अपेक्षा नहीं सिखाता, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संयम, धैर्य और संतुलन बनाए रखने की शक्ति देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को ऐसी प्रार्थना के भाव अपनाने की प्रेरणा दी, जिससे क्रोध, अहंकार, लोभ और मोह कम हों तथा जीवन में संयम, करुणा और विवेक का विकास हो। उनके अनुसार, भगवान के समक्ष जाने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य स्वयं के भीतर सुधार की प्रेरणा प्राप्त करना भी है।

देव-गुरु-शास्त्र के प्रति श्रद्धा जरूरी मुनि श्री ने सम्यक दर्शन तथा देव, गुरु और शास्त्र के प्रति श्रद्धा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मंदिर में श्रद्धापूर्वक दर्शन करना तभी सार्थक माना जा सकता है, जब उसका प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार और जीवनशैली में भी दिखाई दे। यदि व्यक्ति मंदिर में श्रद्धा व्यक्त करने के बाद जीवन में क्रोध, अहंकार, असत्य और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है, तो उसे अपने आचरण पर आत्मचिंतन करना चाहिए। सच्ची श्रद्धा केवल पूजा स्थल तक सीमित न रहकर व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए। निष्काम भक्ति से संतोष की भावना प्रवचन में निष्काम भक्ति को विशेष महत्व दिया गया। मुनि श्री ने बताया कि मनुष्य की इच्छाएं निरंतर बढ़ती रहती हैं। एक इच्छा पूरी होने के बाद दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है, जिससे मन अपेक्षाओं के चक्र में बना रहता है। इसके विपरीत निष्काम श्रद्धा व्यक्ति को अपेक्षाओं से ऊपर उठने और संतोष की भावना विकसित करने में सहायक हो सकती है। उन्होंने कहा कि मन की शांति, सही दृष्टि, संयम और विवेक भी जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

मंदिर आत्मचिंतन का केंद्र बने मुनि श्री ने कहा कि मंदिर केवल किसी समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर जाने का स्थान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का भी केंद्र है। श्रद्धालु को भगवान के सामने केवल यह प्रार्थना करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए कि उसकी समस्याएं समाप्त हो जाएं, बल्कि उसे यह भाव भी रखना चाहिए कि वह प्रत्येक परिस्थिति में धर्म और संयम के मार्ग पर चलने की शक्ति प्राप्त करे। प्रवचन का मूल संदेश यही रहा कि भगवान के पास केवल मांगने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने की प्रेरणा लेने के लिए जाना चाहिए। निष्काम श्रद्धा और आत्मपरिवर्तन को भक्ति का महत्वपूर्ण आधार बनाकर व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

मतदाता सूची बचाने की लड़ाई: हरिप्रसाद

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद ने कहा है कि कांग्रेस की प्राथमिक चिंता यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में दर्ज किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनुचित रूप से हटाया न जाए। उन्होंने पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान अपने मतदान अधिकार को लेकर सतर्क रहें। केपीसीसी कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए हरिप्रसाद ने बताया कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में पराजित कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ बैठक कर उनके निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों और एसआईआर प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बैठक में विशेष रूप से कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में सूखे की स्थिति और राहत के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य संबंधित मुद्दों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर संबंधित अधिकारी अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे हैं, हालांकि अधिकांश बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सहयोग किया है। उन्होंने मतदाता सूची से हटाए गए नामों में कमजोर एवं वंचित वर्गों के मतदाताओं की संख्या को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधि इस संबंध में संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी बात

रखेंगे। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पूछे गए सवाल पर हरिप्रसाद ने कहा कि कांग्रेस किसी पात्र मतदाता के मतदान अधिकार को प्रभावित होने नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा, ह्लहमारी चिंता यह है कि जो पात्र लोग मतदाता सूची में दर्ज हैं, उनके नाम अनुचित तरीके से सूची से नहीं हटाए जाएं। लोकतंत्र की बुनियाद मतदाता सूची और मतदान के अधिकार पर टिकी है। हरिप्रसाद ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि शनिवार और रविवार को भी आवेदन पत्र उपलब्ध कराने और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने पात्र मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने मतदान अधिकार से संबंधित किसी भी अवसर को न गंवाएं और मतदाता सूची में अपने नाम की स्थिति की जांच करते रहें। मीडिया सम्मेलन में राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिप्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं पर भी तीखी राजनीतिक टिप्पणियां कीं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा और अन्य विपक्षी नेताओं को लेकर भ्रष्टाचार तथा राजनीतिक गतिविधियों के संबंध में आरोप लगाए। हालांकि, उनके इन आरोपों पर संबंधित नेताओं अथवा भाजपा-जद(एस) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। हरिप्रसाद ने भाजपा और जद(एस) के गठबंधन पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि विपक्षी दलों को जनता के मुद्दों पर अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। मीडिया सम्मेलन में पूर्व एमएलसी नारायणस्वामी और पूर्व महापौर रामचंद्रप्पा सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

पंच परमेष्ठि तप पूर्णता की ओर

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुमार्सार्थ विराजित साध्वीवर्या डॉ. प्रियश्रद्धांजना श्री जी म. सा. के सान्निध्य में आयोजित पंच परमेष्ठि तप आध्यात्मिक वातावरण के बीच पूर्णता की ओर अग्रसर है। तप की इस श्रृंखला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आत्मशुद्धि और धर्म आराधना से जुड़े हुए हैं। अपने प्रवचन में साध्वीवर्या डॉ. प्रियश्रद्धांजना श्री जी म. सा. ने तपस्या की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंच परमेष्ठि तप आत्मशुद्धि, संयम, त्याग और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ माध्यम है। तपस्या के माध्यम से व्यक्ति कर्मों की

निर्जरा करते हुए आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि जैन धर्म में तपस्या का विशेष महत्व है और इसके विभिन्न स्वरूपों के माध्यम से साधक अपने जीवन में संयम एवं आत्मानुशासन को मजबूत करता है। पंच परमेष्ठि की आराधना श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा को सुदृढ़ करने का माध्यम बनती है। साध्वीवर्या ने कहा कि तपस्या केवल उपवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मन, वचन और काया की शुद्धि का मार्ग है। उन्होंने श्रद्धालुओं को नियमित धर्म आराधना, स्वाध्याय और तप के प्रति निरंतर जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने धर्मोपदेश का लाभ लिया।

इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा श्री माणिक्य स्वामी तप एवं पंच परमेष्ठि तप के तपस्यार्थियों की सुख-साता पूछी गई। साथ ही श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक सेवा मंडल तथा श्री जिन कुशल सूरी जैन सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए अनुमोदना की गई। तप की इस श्रृंखला में अब तक 185 श्रद्धालुओं ने माणिक्य स्वामी तप तथा 120 श्रद्धालुओं ने पंच परमेष्ठि तप का अनुष्ठान किया है। दोनों तप आराधनाओं की पूर्णाहुति आगामी दिनों में धार्मिक वातावरण के बीच संपन्न होने की संभावना है।

राहुल गांधी के खिलाफ FIR पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड में दर्ज प्राथमिकी को लेकर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। KPCC के अनुसार, कथित राजनीतिक दबाव में दर्ज की गई इस प्राथमिकी के विरोध में बुधवार, 2 सितंबर 2026 को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व KPCC अध्यक्ष के. हरिप्रसाद करेंगे। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे निर्धारित किया गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज FIR को वापस लिया जाना चाहिए तथा उत्तराखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जुड़े कथित घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। बड़े पैमाने पर जुटेंगे कांग्रेस पदाधिकारी

KPCC की ओर से जारी कार्यक्रम संबंधी जानकारी के अनुसार प्रदर्शन में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्षों, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों तथा KPCC पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा KPCC सदस्य, जिला कांग्रेस कमेटी (DCC) और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी (BCC) के पदाधिकारी, फ्रंटल संगठनों एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष तथा अन्य पार्टी पदाधिकारी भी प्रदर्शन में भाग लेंगे। FIR वापस लेने की मांग कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज FIR को बदले की राजनीति का परिणाम बताते हुए इसकी निंदा की है। पार्टी की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और प्राथमिकी दर्ज किए जाने के आधारों को सार्वजनिक किया जाए। कांग्रेस की ओर से उत्तराखंड में कथित रूप से हुई घटनाओं में शामिल भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। हालांकि, FIR दर्ज किए जाने के कारणों और आरोपों पर अंतिम स्थिति संबंधित जांच तथा कानूनी प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगी। कांग्रेस का प्रस्तावित प्रदर्शन इसी मुद्दे को लेकर पार्टी के राजनीतिक विरोध के रूप में आयोजित किया जा रहा है। बेंगलुरु में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन राहुल गांधी के खिलाफ FIR के मुद्दे को लेकर आयोजित यह प्रदर्शन कर्नाटक कांग्रेस के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने विभिन्न स्तरों के नेताओं और पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता FIR वापस लेने और संबंधित मामलों में निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई की मांग उठाएंगे।

मोतिहारी को 285 करोड़ की सौगात, विकास योजनाओं को मिली रफ्तार

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

मोतिहारी, 1 सितंबर 2026। मोतिहारी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मोतिहारी दौरे के दौरान जिले के विकास को गति देने वाली करीब 284.99 करोड़ रुपये की 145 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें लगभग 55 योजनाओं का उद्घाटन तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला शामिल है। ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित बापूधाम मोतिहारी महोत्सव के मंच से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी अवसर पर तीन दिवसीय बापूधाम मोतिहारी महोत्सव का भी औपचारिक शुभारंभ हुआ। तारामंडल और मोतीझील परियोजनाओं पर जोर मोतिहारी शहर के समीप अत्याधुनिक तारामंडल परियोजना का शिलान्यास किया गया। परियोजना का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में विज्ञान तथा खगोल विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक मोतीझील

के सौंदर्यीकरण, मरीन ड्राइव निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को भी गति देने की दिशा में आधारशिला रखी गई। हरदिया पुल जनता को समर्पित मजुराहां के समीप लंबे समय से प्रतीक्षित हरदिया पुल का उद्घाटन कर उसे आम जनता के लिए समर्पित किया गया। पुल के शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों में आवागमन को सुविधा मिलने की उम्मीद है। वहीं, रघुनाथपुर स्थित एसपी सिंह स्कूल के समीप धनौती नदी पर नए पुल के निर्माण का शिलान्यास किया गया। प्रस्तावित पुल से क्षेत्रीय संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की संभावना है।

सड़क और संपर्क मार्गों को भी मिलेगी मजबूती रघुनाथपुर से बालगंगा सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा तुरकौलिया-रघुनाथपुर-कमलपुर-बलुआ पुल मार्ग के निर्माण की परियोजना का भी शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन को सुगम बनाना तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। नगर निगम की 78 योजनाओं पर 43 करोड़ रुपये

मोतिहारी नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए करीब 43 करोड़ रुपये की लागत वाली 78 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। इनमें जल निकासी, नाला निर्माण, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्य शामिल हैं। शहर के विभिन्न वार्डों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नए नालों के निर्माण की योजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया है। साथ ही सार्वजनिक स्थलों के विकास और बुनियादी शहरी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया गया। किसानों और उद्यमियों के लिए करीब 200 स्टॉल

बापू सभागार में किसानों और उद्यमियों को आधुनिक कृषि तकनीक तथा नई संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से करीब 200 स्टॉल वाला मेला भी शुरू किया गया। यहां कृषि, तकनीक, उद्यमिता और संबंधित उत्पादों की जानकारी प्रदर्शित की जा रही है। मोतिहारी में एक साथ शुरू की गई इन परियोजनाओं से बुनियादी ढांचे, शहरी सुविधाओं, संपर्क व्यवस्था, पर्यटन और शिक्षा से जुड़े क्षेत्रों को गति मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इन परियोजनाओं का वास्तविक प्रभाव उनके समयबद्ध क्रियान्वयन और गुणवत्ता पर निर्भर करेगा।

जालोर में प्रदूषण पर प्रशासन का बुलडोजर, अवैध कपड़ा धुलाई इकाइयों पर कार्रवाई

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

जालोर, 1 सितंबर 2026। जालोर जिले के सायला उपखंड क्षेत्र में पर्यावरण और भूजल को नुकसान पहुंचाने वाली अवैध गतिविधियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने राजस्व विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर तालियाना और पूनावास गांवों में संचालित अवैध कपड़ा धुलाई इकाइयों से संबंधित निमार्णों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कराया। प्रशासन को क्षेत्र में रंगीन कपड़ों की धुलाई और उससे निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट जल के अनुचित निस्तारण को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के अनुसार, कपड़ों की धुलाई के बाद निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट जल को बिना उचित उपचार के खुले गड्ढों और अवैध रूप से निर्मित होदियों में जमा किया जा रहा था।

कृषि भूमि और भूजल पर खतरे की आशंका बताया गया कि इन होदियों में जमा दूषित पानी के जमीन में रिसाव से आसपास की कृषि भूमि और भूजल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने

की आशंका थी। ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों से पर्यावरण के साथ-साथ स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी संभावित खतरे को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मामले को गंभीरता से लिया।

शिकायतों के बाद क्षेत्रीय अधिकारी विनय कट्टा के निर्देशन में विशेष संयुक्त दल का गठन किया गया। सहायक पर्यावरण अभियंता शंकर लाल बिश्नोई के नेतृत्व में प्रदूषण नियंत्रण मंडल और सायला के राजस्व विभाग की टीम ने तालियाना तथा पूनावास गांवों का निरीक्षण किया। जेसीबी से अडाण और अवैध होदियां ध्वस्त

निरीक्षण के दौरान सामने आई गतिविधियों के बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए कपड़े सुखाने के लिए बनाए गए ढांचों, जिन्हें स्थानीय स्तर पर अडाण कहा जाता है, तथा अपशिष्ट जल के संग्रहण के लिए बनाई गई अवैध पक्की होदियों को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से कपड़ा धुलाई का कारोबार संचालित करने वालों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने वाली अन्य गतिविधियों की भी निगरानी की जा रही है।

शाह के बंगाल दौरे पर महुआ का बड़ा आरोप, मुस्लिम अफसरों को दूर रखने का दावा

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 1 सितंबर 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया पश्चिम बंगाल दौरे को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि शाह के कार्यक्रमों और बैठकों के दौरान राज्य के कुछ मुस्लिम IAS और IPS अधिकारियों को कथित तौर पर दूर रखा गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर दावा किया कि सिलीगुड़ी के पुलिस आयुक्त वकार रजा को स्वागत पंक्ति से अलग रखा गया, राज्य STF के DG जावेद शमीम को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया और कुछ अधिकारी

मांग भी की। आधिकारिक बैठक में वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद अमित शाह ने 21 और 22 अगस्त को पश्चिम बंगाल के खलील अहमद को एक बैठक से बाहर जाने के लिए कहा गया। उन्होंने कुछ और IPS अधिकारियों के संगठनों से इस कथित घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देने की सिलीगुड़ी क्षेत्र का दौरा किया था। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, सीमा प्रबंधन और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठकें हुईं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा समीक्षा बैठक में केंद्रीय और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसमें गृह मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, सेना, BSF, SSB और RPF के अधिकारियों के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भी मौजूद थे। इससे यह स्पष्ट है कि बैठक में विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी थी। हालांकि, महुआ मोइत्रा द्वारा जिन विशिष्ट अधिकारियों को लेकर दावे किए गए हैं, उनके संबंध में सरकारी विज्ञप्ति में कोई व्यक्तिगत विवरण या उनके कथित बहिष्कार का उल्लेख नहीं है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर रहा मुख्य जोर बैठक में चिकन नेक के नाम से चर्चित सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई। यह संकरा भू-भाग पूर्वोत्तर भारत को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण स्थल है और नेपाल, भूटान तथा बांग्लादेश की सीमाओं के निकट स्थित है। गृह मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कॉरिडोर से जुड़े महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा सीमा संबंधी मामलों, जनसांख्यिकीय बदलाव, अवैध घुसपैठ और सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। महुआ ने IAS-IPS संगठनों से मांगा जवाब TMC सांसद ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कुछ और कुछ अधिकारियों के संगठनों से सवाल किया कि यदि किसी अधिकारी को उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर किसी सरकारी कार्यक्रम से दूर रखा गया है, तो इस पर संबंधित संगठन आपत्ति क्यों नहीं जता रहे हैं। मोइत्रा के आरोपों के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है। हालांकि, फिलहाल उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों में उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं होती है। इसलिए मामले में संबंधित अधिकारियों, राज्य सरकार या केंद्र सरकार की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण सामने आने पर स्थिति और स्पष्ट हो सकती है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि आरोप सरकारी अधिकारियों के साथ कथित धार्मिक भेदभाव से जुड़े हैं। ऐसे आरोपों की पुष्टि के लिए प्रत्यक्ष तथ्य, आधिकारिक रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों का पक्ष महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि अमित शाह के सिलीगुड़ी दौरे के दौरान सुरक्षा और सिलीगुड़ी कॉरिडोर से जुड़े मुद्दों पर उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। वहीं, मुस्लिम अधिकारियों को कथित तौर पर कार्यक्रमों से दूर रखे जाने का दावा ठळटउ सांसद महुआ मोइत्रा ने किया है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी बाकी है।

गुरु राघवेंद्र आराधना महोत्सव में महेंद्र मुणोत ने लिया आशीर्वाद

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। बापूजी नगर स्थित मयूर विनायक सेवा ट्रस्ट की ओर से अय्यप्पा स्वामी देवस्थान में श्री गुरु राघवेंद्र स्वामी का 355वां आराधना महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव में श्रद्धालुओं ने गुरु राघवेंद्र स्वामी की आराधना कर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महेंद्र मुणोत ने गुरु राघवेंद्र स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने महोत्सव के दौरान

आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भी सेवा प्रदान की। आयोजकों ने महेंद्र मुणोत की सहभागिता और सेवा भावना के लिए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजन के साथ सेवा गतिविधियों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्तिभाव का वातावरण बना रहा। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजनों के साथ सेवा कार्यों को जोड़ना समाज में सहयोग, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सपा MLC की कुत्ते वाली टिप्पणी पर सियासी संग्राम

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

लखनऊ, 1 सितंबर 2026। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) लाल बिहारी यादव की एक कथित टिप्पणी को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। शिक्षकों की एक सभा में दिए गए उनके बयान का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा, जबकि कांग्रेस ने सपा नेता का बचाव किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लाल बिहारी यादव ने चुनावी समर्थन और पार्टी के चुनाव चिन्ह का उल्लेख करते हुए ऐसी टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व किसी कुत्ते के गले में भी चुनाव चिन्ह या घंटी बांधकर चुनाव मैदान में उतार दे, तब भी पार्टी समर्थकों को उसके पक्ष में मतदान करना चाहिए। इस टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर

प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सपा ने टिप्पणी से बनाई दूरी

विवाद बढ़ने के बाद समाजवादी पार्टी की ओर से इस टिप्पणी को पार्टी की आधिकारिक विचारधारा से जोड़कर नहीं देखने की बात कही गई। पार्टी के प्रवक्ता दीपक रंजन ने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और राजनीतिक बहस का केंद्र नीतिगत एवं जनहित के मुद्दे होने चाहिए। सपा की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि संबंधित टिप्पणी को व्यक्तिगत बयान के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने साधा निशाना भाजपा ने सपा एमएलसी की टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। भाजपा नेता आलोक अवस्थी ने कहा कि इस तरह की भाषा मतदाताओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति असम्मान को दर्शाती है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि आने वाले समय में सपा कार्यालय के बाहर उम्मीदवार अपनी दावेदारी जताने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते दिखाई दे सकते हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मत के माध्यम से ऐसे बयानों का जवाब देगी। कांग्रेस ने किया बचाव विवाद के बीच कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सपा नेता का बचाव करते हुए भाजपा पर राजनीतिक मुद्दों को अनावश्यक रूप से तूल देने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा को अपने संगठन और नेताओं से जुड़े राजनीतिक मतभेदों पर ध्यान देने की सलाह दी। इससे उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के बीच बयानबाजी भी तेज हो गई है। सपा का बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान इस राजनीतिक विवाद के समानांतर समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी की ओर से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाने की जानकारी सामने आई है। कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क कर मतदाताओं से संवाद बढ़ाने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी प्रमुख दलों की गतिविधियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। फिलहाल, सपा एमएलसी की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी है। इस विवाद का चुनावी राजनीति पर कितना प्रभाव पड़ेगा, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

कुमारस्वामी पर पलटवार, KPSC मामले में जांच का इंतजार

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में पार्टी प्रवक्ता लक्ष्मण ने केंद्रीय मंत्री एवं जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि वे लगातार कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाकर अपनी पार्टी की राजनीतिक सक्रियता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। लक्ष्मण ने दावा किया कि कुमारस्वामी वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक बड़ी संख्या में प्रेस वार्ताएं कर चुके हैं और उनकी राजनीतिक गतिविधियां वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर संचालित हो रही हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ लगातार बयान देते रहे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें विशेष महत्व नहीं दिया। लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि अब कुमारस्वामी कांग्रेस नेताओं, विशेषकर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री प्रियांक खड़गे को निशाना बना रहे हैं। प्रियांक खड़गे के बयान का हवाला केपीसीसी प्रवक्ता ने कहा कि प्रियांक खड़गे ने कथित रूप से स्पष्ट किया है कि यदि केपीएससी से जुड़े किसी कथित घोटाले में उनकी भूमिका साबित होती है, तो वे और उनका परिवार राजनीति से संन्यास लेने को तैयार हैं। लक्ष्मण ने कुमारस्वामी से सवाल किया कि क्या वे भी अपने आरोपों और दावों के संबंध में ऐसी ही राजनीतिक जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। भर्ती प्रक्रिया और कथित संबंधों पर सवाल मीडिया सम्मेलन में लक्ष्मण ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में सहायक अभियंता पदों की भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय नियुक्तियों और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े कुछ व्यक्तियों के राजनीतिक संबंधों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कुछ व्यक्तियों की भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरों का उल्लेख करते हुए सवाल उठाए और कहा कि कथित आरोपी व्यक्तियों तथा राजनीतिक नेताओं के बीच संबंधों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। लक्ष्मण ने कहा कि जिन व्यक्तियों के नाम जांच के दौरान सामने आए हैं, उनके राजनीतिक संपर्कों और कथित भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने राज्यपाल सहित संबंधित पक्षों से भी सवाल पूछे, हालांकि इन आरोपों और दावों पर संबंधित पक्षों की तत्काल प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि कुमारस्वामी के पेन ड्राइव जारी करने के बाद वे भी अपने पास मौजूद पेन ड्राइव को लेकर जानकारी साझा करेंगे। हालांकि, पेन ड्राइव में मौजूद कथित सामग्री के संबंध में कोई स्वतंत्र प्रमाण या आधिकारिक जानकारी मीडिया सम्मेलन में प्रस्तुत नहीं की गई।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

लक्ष्मण ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है।

सुकंदकट्टे सीरवी समाज की प्रीमियम लीग का होगा भव्य आयोजन

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 1 सितंबर 2026। सुकंदकट्टे सीरवी समाज बैंगलोर पश्चिम के युवाओं के अनुरोध पर सुकंदकट्टे सीरवी प्रीमियम लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 19 और 20 सितंबर 2026 को किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर समाज के युवाओं में उत्साह है और खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया जारी है।

आयोजकों के अनुसार क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों का गठन किया जाएगा। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे, जिसके अनुसार कुल 150 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। वहीं, दी गई जानकारी के अनुसार वॉलीबॉल के लिए 8 टीमों में प्रत्येक टीम से 8 खिलाड़ियों सहित कुल 64 खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों से निर्धारित समय सीमा में अपना नाम दर्ज कराने का आग्रह किया गया है। आयोजन से संबंधित सूचना में नाम पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 अगस्त 2026 बताई गई है। महिलाओं और बालिकाओं के लिए भी प्रतियोगिताएं समाज की महिलाओं और बालिकाओं के अनुरोध पर विभिन्न मनोरंजक एवं खेल गतिविधियों को भी आयोजन में शामिल किया गया है। इनमें थ्रो बॉल प्रतियोगिता 19 सितंबर तथा रस्साकसी और मेहंदी प्रतियोगिता 20 सितंबर 2026 को आयोजित करने की जानकारी दी गई है। इन प्रतियोगिताओं के लिए प्रवेश शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, खेल विभाग से जुड़े कार्यकताओं और सहयोगियों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में इन्द्रलालजी सोलंकी, रूगारामजी चोयल, घीसुलालजी चोयल, घीसारामजी सोलंकी, देवारामजी गेहलोत, चौथारामजी बर्फा, खेल मंत्री तरुणजी काग, मुलारामजी सोलंकी, कानारामजी सोलंकी, राजारामजी राठौड़, लछारामजी गेहलोत, गणेशजी काग और चेनारामजी पंवार सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयोजन की व्यवस्थाओं में खेल मंत्री सेवा संघ के कार्यकताओं के साथ गौतमजी मुलेवा, किशोरजी लचेटा, कोमल सोलंकी, रमेशजी आर.के. एवं उनकी टीम, प्रकाशजी चोयल सहित अन्य सहयोगी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

समाज के आयोजकों ने खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और बालिकाओं की प्रतिभाओं को मंच देने तथा समाज में आपसी सहभागिता और खेल भावना को मजबूत करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल बताया है।

चिराग की पार्टी के तीन विधायक आरोपों के घेरे में

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

पटना, 1 सितंबर 2026। बिहार की राजनीति में केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान की पार्टी के तीन विधायकों से जुड़े अलग-अलग मामलों ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। मंत्री संजय सिंह, बेलसंड विधायक अमित कुमार रानू और डेहरी विधायक सोनू सिंह से जुड़े आरोपों और जांच के मामलों के बाद पार्टी नेतृत्व के सामने जवाबदेही और कार्रवाई की चुनौती खड़ी हो गई है। चिराग पासवान ने स्पष्ट किया है कि आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। संजय सिंह मामले में निष्पक्ष जांच की मांग बिहार सरकार के मंत्री और लोजपा (रामविलास) विधायक संजय सिंह पर नई दिल्ली के एक होटल में एक महिला के साथ कथित अभद्र व्यवहार से जुड़े आरोप सामने आए हैं। इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। चिराग पासवान ने मामले को गंभीर सदस्यता दोनों स्तरों पर कार्रवाई की बात कही है।

बताते हुए कहा कि महिला सुरक्षा के मुद्दे पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आरोपों की तथ्यात्मक और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा दोष सिद्ध होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चिराग पासवान ने दोष सिद्ध होने पर मंत्री पद और पार्टी

हालांकि, आरोपों की सत्यता जांच के निष्कर्ष पर निर्भर करेगी और किसी भी व्यक्ति को दोषी मानने से पहले कानूनी प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक है। अमित कुमार रानू पर जमीन विवाद से जुड़े मामले

बेलसंड से लोजपा (रामविलास) विधायक अमित कुमार रानू भी जमीन विवाद और कथित अवैध कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा में हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर उनके आवास पर तलाशी और जांच कार्रवाई की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस जांच के दौरान जमीन से संबंधित दस्तावेज और अन्य कागजात बरामद किए गए हैं। विधायक और उनके सहयोगियों के खिलाफ विभिन्न मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा जांच आगे बढ़ने की जानकारी सामने आई है। अमित कुमार रानू ने इन आरोपों को लेकर पहले राजनीतिक साजिश के तहत फंसाए जाने का दावा भी किया है। मामले में अंतिम स्थिति जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगी। सोनू सिंह से जुड़े आरोप भी चर्चा में रोहतास जिले के डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या के मामले में उनकी पत्नी ने डेहरी विधायक सोनू सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया था कि उनके पति पर कथित रूप से धनराशि देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने इस संबंध में पुलिस के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया था। दूसरी ओर, इस हत्या मामले में पुलिस ने मृतक के चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है और मामले की जांच जारी है। विधायक के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी। पार्टी नेतृत्व के सामने बढ़ी चुनौती तीन विधायकों से जुड़े अलग-अलग मामलों ने लोजपा (रामविलास) और उसके प्रमुख चिराग पासवान के सामने राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है। विपक्ष को भी इन मामलों को लेकर सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन पर सवाल उठाने का अवसर मिला है। चिराग पासवान का कहना है कि पार्टी किसी भी गंभीर आरोप को नजरअंदाज नहीं करेगी और जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, तीनों मामलों में जांच और कानूनी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों तथा जनता की नजर बनी हुई है।

Printed Published & Owner by Dhanna Ram Choudhary And Printed at MNS Printers Pvt. Ltd., No.345/4, Bhattarahalli, Old Madras Road, Bengaluru Karnataka-560049. And Published at Maruthi"Plaza", No. 10/1, 1st Cross Road, 3rd Floor , Oil Mill Road, Arvind Nagar , Maruthi Seva Nagar Post, Kammanahalli, Bengaluru Urban, Karnataka -560033, Editor Dhanna Ram Choudhary , For Editorial 91641 17755, Advertisement 88676 89130 , RNI No. KNHIN/2026/A5540. E-Mail: news@bhaarataarth.com, Website: bhaarataarth.com, Established: 2026